

सूची के आधार (भोगा)
वही पाया जाकर

Affidavit Sworn Before ... E. Magistrate
Vide No. 2412 to 2414 ... 23.3.92

Affidavit Sworn Before
Executive Magistrate Patna or Danapur
Vide No. 1226 to 1229 ... 16.3.92

नाम :- 1. श्री मोतीलाल लाल वल्द स्व० देव नारायण लाल
लेखकी 2. श्री देव लगन राय वल्द स्व० बालेश्वर राय
पेशा- खेती लाकिन - झाझौपुर - थाना - दानापुर
पोस्ट - बिगौल जिला - पटना - भारतीय नागरिक।

मामलेत :- श्री मती धनराजो देवी पत्नी श्री स्व०
चाही प्रताप सिंह पेशा - गृहस्थी - लाकिन - मोहनपुर -
पुनाई - चक देवी स्थान - थाना नौ पोस्ट - शास्त्री
नगर जिला - पटना - भारतीय नागरिक।

मैं श्री [illegible] पिता [illegible] साकिन [illegible] थाना [illegible] जिला [illegible] हलफ उठाकर कहता हूँ कि मेरे सामने उपरोक्त व्यक्ति ने [illegible] हस्ताक्षर किया है।

दिनांक 23-3-92

मजिस्ट्रेट प्रथम वर्ग - पटना/दानापुर

मजिस्ट्रेट प्रथम वर्ग - पटना/दानापुर



उ॰ लेखनका : निर्विवाद विक्रय-पत्र (Deed of Absolute Sale)

४ मूल्य : रु० १०,०००/- पर हस्ताक्षर होना है

५ सम्पत्ति का : मजरूआ ७½ डी० तथा लगान डीतमील भूमि जिसके विवरण अधिकार दाखिल जमाबन्दी मौजा-आशोपुर-पचगना-फुलवारी-थाना को सब रजिस्ट्री-दानापुर-सदर रजिस्ट्री-बोजिला-पथना/सोकी नं०-२०६५ थाना नं०-34-खाता नं०-93 तेह: केला प्लॉट नं०-३७० तीन सौ सत्तर में से रकबा ७½ डी० तथा लगान डीतमील/लगान वाकिए २८ पैसा अलावे शेष अंश अधिकारी दानापुर-आन्द विकाश अधिकार क्षेत्र पथना में स्थित है यह भूमि विक्रयोज्य है जो पक्ष एवलोमोशन क्षेत्र के अन्दर है किन्तु मान्य पक्षगण के बाद दो दानापुर कार्यालय दस्तावेज लिखकी का शपथपत्र बोलिका के साथ संलग्न है

उत्तर — देव नन्दन सिंह
दक्षिण — राम जीत सिंह पार्ट प्लॉट नं० ३७० हाल में
पुरब — कैलाश सिंह
पश्चिम — परमानन्द सिंह

सं: मौसा फोटो स्टाट
नम्बर ३-३-०२

उ॰ - केवाली संख्या
मो० - ९७३१३१९२८८



विदित हो कि पक्षकार संख्या ४ में वर्णित जायदाद के लेखकर्ता गण के नाम से २८-१-१९८१ ई० को नविले श्री प्रयाग नारायण पुत्री लेखी-चन्द्र जाति लोधिक शाहपुरा परगना - शाहपुरा जिला पटना ने बैनामा लिखा है जिसका बही नम्बर ६०५ जिल्द ५ - दानपुर है बैनामगी है जो तेही लेखकर्ता जाति पक्षकार संख्या ४ के द्वारा ने अपने अधिकार दखल बेदखलियत एवं उपभोग करने चले आते हैं। लेखकर्ता द्वारा जाति पक्षकार संख्या ४ के अधिकारी एवं मालिकान है पक्षकार संख्या ४ द्वारा ने पक्ष को स्पष्ट तथा नेक नियत लेखकर्ता को अपने मेल है जायदाद जमीन खरीद के लिए रुपयों की जरूरत है बिना पक्षकार संख्या ४ के बेचे हुए शीघ्र रुपयों की प्रबंध नहीं हो सकती है

अतः लेखकर्ता ने अपने खुशी से बिना दबाव के अपने होश हवास में अपने हानि-लाभ को बखूबी समझ कर स्वस्थ मानसिक अवस्था में पक्षकार संख्या ४ को ११,००० रुपया रुपयों में लेखकर्ता के नाम से दाम एवं तय बैनामा को बैनामा करने की इच्छा से लेखकर्ता के नाम से प्रदर्शित जमीन जायदाद बेचने के लिए लेखकर्ता से प्रार्थना किया लेखकर्ता

संख्या ४ ने २८-१-८१ को नविले श्री प्रयाग नारायण पुत्री लेखी-चन्द्र जाति लोधिक शाहपुरा परगना - शाहपुरा जिला पटना ने बैनामा लिखा है जिसका बही नम्बर ६०५ जिल्द ५ - दानपुर है बैनामगी है जो तेही लेखकर्ता जाति पक्षकार संख्या ४ के द्वारा ने अपने अधिकार दखल बेदखलियत एवं उपभोग करने चले आते हैं। लेखकर्ता द्वारा जाति पक्षकार संख्या ४ के अधिकारी एवं मालिकान है पक्षकार संख्या ४ द्वारा ने पक्ष को स्पष्ट तथा नेक नियत लेखकर्ता को अपने मेल है जायदाद जमीन खरीद के लिए रुपयों की जरूरत है बिना पक्षकार संख्या ४ के बेचे हुए शीघ्र रुपयों की प्रबंध नहीं हो सकती है

अतः लेखकर्ता ने अपने खुशी से बिना दबाव के अपने होश हवास में अपने हानि-लाभ को बखूबी समझ कर स्वस्थ मानसिक अवस्था में पक्षकार संख्या ४ को ११,००० रुपया रुपयों में लेखकर्ता के नाम से दाम एवं तय बैनामा को बैनामा करने की इच्छा से लेखकर्ता के नाम से प्रदर्शित जमीन जायदाद बेचने के लिए लेखकर्ता से प्रार्थना किया लेखकर्ता



उक्त खसरा वादुल को वेचाक पाकर आज ले ही खाना नं० ५ पर अपना कुल कब्जा दखल व अधिकार खातिमाप को खाना नम्बर ४ पर लेखकशीत पाल वल्द २ वाले देदका के लेखकशीत पाल के स्थान पर ८ गज दक्षिण की मालिक होकर को एक उपभोग करें। अब खाना नं० ५ पर लेखकशीगण का इनके जरीशान का कोई दावा दावी का लोकर बाकी नहीं है, नहीं रहा नहीं रहेगा और लेखकशीत एक को अधिकार को लेखकशीगण के खाना नं० ५ पर प्राप्त था आगामी में प्राप्त होगा कि पक्का लेखकशीत के प्राप्त हुआ कि खातिर दीवाल को अधिकृत तथा मालिक होकर अपना नाम लेखकशीगण के स्थान पर ८ गज दक्षिण जाने जाने तक मेरे सिवा तक की जमीन्दारी विभाग की बुनीतक में दर्ज कर लेवें इनमें लेखकशीगण को कोई आपत्ति नहीं है नहीं होगा।

आगर खरिदा किसी तरह खाना नं० ५ से लेखकशीगण के कुल हकिम से खेदखल हो जावें तो एक को अधिकार है को होगा कि कुल नुकसान एक मुश्त की लगाकर लेखकशीगण के कुल तमाम से लेखा एक लिख कर नालिश अदालत करके वादुल को वेचाक कर लेवेंगे इनमें लेखकशीगण को कोई आपत्ति नहीं है नहीं होगा। इसलिए निर्विवाद लिख पढ़ लिख दिया कि सनद पर प्रमाण है को सनद लेवें

गवाह 2 3 - 3 - 1 ई०

गवाह 2 3 - 3 - 1 ई०



1 नाम लेखक श्री : श्री राम जीत सिंह वल्द स्व० देव नन्दन सिंह- पेशा - खेती - साकिन मुलीचक - थाना - दानापुर - पोस्ट - बी. भी. कॉलेज - पटना - भारतीय नागरिक

2 नाम लेखपाती : श्री मती चमरछो देवी धर्मपत्नि श्री रघुवंश प्रताप सिंह - पेशा - गृहस्थी वो खेती - साकिन महल्ला - मोहनपुर -



इनाई-चक देवी स्थान · थाना वो पोस्ट-शाखी
नगर-जिला-पटना-भारतीय नागरिक।

३ लेख :- निर्विवाद विक्रय पत्र (Deed of Absolute Sale)

४ मूल्य :- रू० 30,000 तीस हजार मात्र होता है

५ सम्पत्ति :- मवाजी २१ ३/४ डि० एकीस्व शतांश तीन विसाए बांटा-चार डीलमील भूमि जिलापंचायत का हाल पैमी ~~अचमी~~ नबदी मौजा-आरौपुर-पगना-फुलवारी-थाना वो तब-रसिंदी-दानापुर-तथा रसिंदी मौजिलाट पटना, नॉमीनं०-५०६५ थानानं०-३४ खातानं०-93 नेहे पैलो प्लोट नं०-३७१ तीन लो ~~सत्र~~ सत्र में ले-



राजी २१ ३/४ डी० एकड़ीत शर्णांक तीन बांटा चाहीब-
मील । लगभग वार्षिक ३-५८७ आलये शेष विवा-
दित जाए चलअधिकारी दातापुर कलन विश्रा-
धिकरण दौसा पत्रा में स्थित है यह कृषि योग्य
है जो पत्रा एलोमेंट दौसा है आदा है कृषि साहा
कलक्टर के आदेश है दातापुर उपखण्ड अधिकारी श्र
शासनचल बोलिकर के तत्व लगभग है

उत्तर - दक्षिण - पूर्व - पश्चिम
पार प्लॉट नं० - आदा - कैलाश - परमानन्द
३५० हाल में खरीदा सिंह कलु

विदित हो कि खाता नं० ५ में वर्णित जायदाद को लेखकीने
लाईव-3-E-VVV इनके तीन बोलिकर के नाम खरीद
किया है पहला श्री राजनन्दन शर्मा दूसरा श्री लेखराज सिंह
दोनों को भानपुर शादपुर कलां - पक्का किसका बोलिकर



नं० 3326 दो पुत्रा नवनिते श्री सतीश कु० शर्मा वल्द श्री लेखन सिंह ला० वो० थाना शाहपुर जिला पटना हाल वोटिंग नं० 332 दो एवं सीता श्री सुदीश कुमार शर्मा वल्द श्री लेखन सिंह लाडिन वो० थाना शाहपुर जिला पटना हाल वोटिंग नं० 332 सब फ्लैट दाखिल है उपरोक्त तीनों बैंक वोटिंग में लेखकर्ता तीनों आदमी से अलग अलग २½ डि० तथा सात मीटर से दो आदमी से बैंक खोदा किया है इस प्रकार खाता नं० २ में कीमत सम्पूर्ण जायदाद को लेखकर्ता बैंक खोदगी है लेकर दो घ नक्शा लेआउट कुएगा दखल वो अधिकार मौके पर उपभोग करते चले आ रहे हैं। लेखकर्ता के अलावे कुछ नहीं कोई भी व्यक्ति खाता नं० २ के अधिकारी एवं मालिक नहीं है खाता नं० २ का नक्शा के पास वो कुछ नहीं कहने मुक्त है लेखकर्ता को मकान बनाने एवं अपने जीवन के खाता जमीन खरीदने के



लिए [illegible] लेखांकी लेखन जगत में बिना खाता नं० २ के बेचे हुए शीघ्र लेखकों के लेखों का प्रबंध नहीं हो सकता है

अतः लेखकों ने अपने कुशी को खातिर ले अपने देश को हवाल में अपने हानि-लाभ को बहुधी सोच विचार कर लेख मार्केटिंग अध्याय में खाता नं० २ में ३०,००० तीस हजार लेखों में लेखपालीय खाता नं० २ के हाथ एवं लेख बेचा को बैंगलाडल्यामीक्ष्य को हुल लेखा बोर्ड पर अपना हवाला बनाने के पहले ही खरीदार ने पाठक इस प्रश्न हुल्यगतमन पाठक अथक ने ही लेखकों ने अपना हुल पक्षक दाखल बोर्डाधिकार खातिर को [illegible] खाता खाता नं० २ पर लेखपालीय के देखने के लेखकों के स्थान पर हवाला लेखाधिकृत को मालिक होक्ष को हक्का उपभोग करें अब खाता नं० २ पर लेखकों भाइने वालों का कोई दया दावी को लोड़ा बाकी

Xerox Machine

पांच रुपये FIVE RUPEES सत्यमेव जयते भारत पांच रुपये FIVE RUPEES

नहीं है नहीं रहा नहीं रहेगा बल्कि सम्पूर्ण हक बेदखली
अनुसूची क्रमांक ५ पर लेखपाल के प्राप्त आख्या अनुसार
में प्राप्त होता कि उक्त लेखपाल के प्राप्त हुआ कि-
आवेदक कोमल के अधिकृत को मालिक होकर अपना
लेखपाल के स्थान पर हस्ताक्षर जहाँ जहाँ जरूरत
समझे वहां तक की जमीनदारी विभाग की पुस्तक
में दर्ज करा लेवें इनमें लेखपाल को कोई आपत्ति
नहीं है नहीं होगा

आगे यदि उक्त अमीलदखाना क्रमांक ५ से लेखपाल के
उक्त हकीकत से बेदखल होजावें तो हक बेदखलिका
वो होगा कि कुलजामान्य वैद्य कानूनी लगाकर लेख
पाल के उक्त सम्पत्ति से बेदखल होजावें तो हक बेदखलिका
वो बेबाक करा लेवेंगे इनमें लेखपाल को कोई
आपत्ति नहीं है नहीं होगा इसलिए निर्विवाद लिख
पत्र लिख दिया कि एकरार पर समझ है वो काम
आवे

साक्षी व २३-३-१९८२ ई०

[illegible] ३-३-८२ ११
[illegible] ३-३-८२





बिहार सरकार
GOVERNMENT OF BIHAR
योजना और विकास विभाग
DEPARTMENT OF PLANNING AND DEVELOPMENT
इन्दिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान
INDIRA GANDHI INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, PATNA, BIHAR

प्रपत्र-6
FORM-6



मृत्यु प्रमाण-पत्र
DEATH CERTIFICATE

(जन्म मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1969 की धारा 12 / 17 तथा बिहार जन्म मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 1999 के नियम 8/13 के अंतर्गत जारी किया गया)
(ISSUED UNDER SECTION 12/17 OF THE REGISTRATION OF BIRTHS & DEATHS ACT, 1969 AND RULE 8/13 OF THE BIHAR REGISTRATION OF BIRTHS & DEATHS RULES 1999.)

यह प्रमाणित किया जाता है निम्नलिखित सूचना मृत्यु के मूल अभिलेख से ली गई है जो कि इन्दिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान तहसील पटना सदर जिला पटना राज्य/संघ प्रदेश बिहार,भारत के रजिस्टर में इंगित/लिखित है ।
THIS IS TO CERTIFY THAT THE FOLLOWING INFORMATION HAS BEEN TAKEN FROM THE ORIGINAL RECORD OF DEATH WHICH IS THE REGISTER FOR INDIRA GANDHI INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, PATNA, BIHAR OF TAHSIL/BLOCK PATNA SADAR OF DISTRICT PATNA OF STATE/UNION TERRITORY BIHAR, INDIA.

मृतक का नाम / NAME OF DECEASED : DHANRAJO DEVI

लिंग / SEX: महिला / FEMALE

आधार नंबर / AADHAAR NO.:
XXXXXXXX9562

मृत्यु की तिथि / DATE OF DEATH:
27-04-2023
TWENTY-SEVENTH-APRIL-TWO THOUSAND TWENTY THREE

मृत्यु का स्थान / PLACE OF DEATH:
INDIRA GANDHI INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, PATNA BIHAR

पति / पत्नी का नाम / NAME OF HUSBAND / WIFE:
SARYOO PRASAD SINGH

मृतक की उम्र / AGE OF DECEASED:
85 YEARS

आधार नंबर / HUSBAND/WIFE AADHAAR NO. :

माता का नाम / NAME OF MOTHER:

पिता का नाम / NAME OF FATHER :

आधार नंबर / MOTHER'S AADHAAR NO. :

आधार नंबर / FATHER'S AADHAAR NO. :

मृत्यु के समय मृतक का पता / ADDRESS OF THE DECEASED AT THE TIME OF DEATH :

IGIMS,
PATNA, PATNA SADAR, PATNA,
BIHAR

मृतक का स्थायी पता / PERMANENT ADDRESS OF DECEASED :

MOHANPUR, PUNAICHAK,
PATNA, PATNA SADAR, PATNA,
BIHAR

पंजीकरण संख्या / REGISTRATION NO:
D-2023: 10-90346-001171

पंजीकरण तारीख / DATE OF REGISTRATION:
09-05-2023

टिप्पणी / REMARKS (IF ANY):
--

जारी करने की तिथि / DATE OF ISSUE:
01-06-2023

जारी करने वाला प्राधिकारी / ISSUING AUTHORITY

रजिस्ट्रार (जन्म एवं मृत्यु)
REGISTRAR (BIRTH & DEATH)
इन्दिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान
INDIRA GANDHI INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, PATNA,
चिकित्सा उपाधीक्षक सह रजिस्ट्रार
(Dy. M.S.-cum-Registrar)
जन्म-मृत्यु/Birth Death
इन्दिरा गाँधी आ.वि.सं. Patna

UPDATED ON :
31-05-2023 21:45:04



"THIS IS A COMPUTER GENERATED CERTIFICATE WHICH CONTAINS FACSIMILE SIGNATURE OF THE ISSUING AUTHORITY"
THE GOVT. OF INDIA VIDE CIRCULAR NO. 1/12/2014-VS(CRS) DATED 27-JULY-2015 HAS
APPROVED THIS CERTIFICATE AS A VALID LEGAL DOUCMENT FOR ALL OFFICIAL PURPOSES.
" प्रत्येक जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण सुनिश्चित करें " / " ENSURE REGISTRATION OF EVERY BIRTH AND DEATH "

